वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 74 | सोमवार 8 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## घरेलू हिंसा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

### महिलाओं से जुड़े कानूनों और नियमों की दी जानकारी

**जयपुर. कासं।** शिल्पायन प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र वरुण पथ जयपुर दक्षिण द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हीरा पथ मानसरोवर मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा पर काउंसलर लीना शर्मा ने बताया कि महिला हिंसा क्या है और इसकी रोकथाम हेतु संस्था द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट की जानकारी दी गई। केंद्र द्वारा निशुल्क काउंसिलिंग, मेडिकल, अल्पावास अल्पावास गृह, बच्चे दिलवाना, पुलिस कार्यवाही एवं विधिक सहायता दी जाती है। काउंसलर गुरजीत कौर ने महिला घरेलू हिंसा से सबंधित विभिन्न कानूनों के बारे में बताया। महिलाओं को प्राथमिक स्तर पर परामर्श लेना चाहिए, जिससे समस्या को जटिल होने से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में पोक्सो, महिलाओं की शिक्षा, साइबर क्राइम व स्टॉकिंग की जानकारी दी व उनसे बचने के उपाय बताये। कार्यक्रम मे महिला पुलिस स्टाफ मंजू चौधरी, स्कूल प्रिंसिपल पवनेश जैन, व्याख्याता अनिता दाधीच व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे उपस्थित बालिकाओं को ब्रोशर व हेल्पलाइन नंबर दिये गये।

## सीए दीक्षांत समारोह जयपुर में 900 से ज्यादा को मिली डिग्री

### डिग्री धारक बोले- सभी सीए की कहानी सेम होती है: इसकी तैयारी में होता है बड़ा स्ट्रगल

**जयपुर. कासं**

सीए समिता नरवाण ने कहा- सभी सीए की सेम कहानी होती है। हर सीए की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के लिए बड़ा स्ट्रगल होता है। आज हमारे लिए बड़ा दिन है क्योंकि एक समय था जब हम पढ़ते हुए सपना देखते थे कि एक समय आएगा तब हम भी यह डिग्री हासिल करेंगे। आज हमारा सपना सच हुआ है। यह मौका था जयपुर में रविवार को आयोजित दी इन्सटीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की सेन्ट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल की ओर से दीक्षांत समारोह के आयोजन का। यहां सीए डिग्री लेने वाले स्टूडेंट्स की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था, उन्होंने गाउन पहनकर हवा में टोपी उड़ा कर अपने जीत का सेलिब्रेशन किया। सीए आशीष शर्मा ने बताया कि सीए का शुरूआती सफर काफी अच्छा था लेकिन उसके बाद फाइनल काफी परेशानी आई और सी बनने मुझे काफी साल लगे, फाइनल करने में मुझे 5 साल लगे। हालांकि सीए बनकर मुझे काफी गर्व हो रहा है, क्योंकि भारत में 4 लाख अकाउंटेंट है, जिनमें से मैं भी एक हूं। उन्होंने बताया कि सीए बनने के लिए उन्हें औडिट और कोस्टिंग में काफी परेशानी आती है। हालांकि नए सिलेबस में कोस्टिंग को हटा दिया गया है। वहीं अलवर की पलक मिश्रा ने बताया- कक्षा 12वीं तक ऐसा कुछ नहीं था कि मुझे सीए करना है या कुछ प्रोफेशनल कोर्स करना है। लेकिन प्रोफेसर की सलाह पर सीए को चुना, फिर एक-एक लेवल करते रहे तो शुरू में काफी डर लगा लेकिन डिसिपलिन और कंसिसटेंट हो तो सीए करने में किसी तरह की मुश्किल नहीं

आती। सीए की डिग्री लेने के बाद प्रिया ने कहा- 12वीं तक कभी नहीं सोचा था कि सीए करना था। मुझे सीए नहीं करना था, लेकिन लाइफ के डिफरेंट प्लान होते है, ऐसे में मैंने सीए करना पड़ा। एक दौर आया था कोरोना के समय तब सोचा सीए करना छोड़ देते है, लेकिन परिवार के समझाने पर कोर्स जारी रखा और आज तमाम उतार-छड़ाव के बाद आज सीए की डिग्री मेरे हाथ में है। सीए प्रकाश शर्मा, समन्वयक और सेन्ट्रल काउसिंल मैंबर, सीए रोहित रूवाटिया अग्रवाल समन्वयक व सेन्ट्रल काउसिंल मैम्बर ने बताया कि इस कार्यक्रम में संस्थान की ओर से 900 नए सी.ए. सदस्यों को मैंबरशिप सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के यूडीएच मंत्री, राजस्थान सरकार झाबर सिंह खर्रा और राजस्थान हैरिटेज कनजरवेंन्शन चेयरमैन ओंकार सिंह लखावात मौजूद रहे। साथ ही इस बार डिग्री बच्चों को उनके परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में दी गई।

## वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे सीएम भजनलाल शर्मा

### 5 सीटों पर होने वाले विधानसभा उप चुनाव और बजट को लेकर हुई चर्चा, एक घंटे आवास पर रुके

**जयपुर. कासं।** सीएम भजनलाल शर्मा रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। सीएम एक घंटे से ज्यादा समय तक राजे के आवास पर रुके। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच विधानसभा की 5 सीटों पर होने वाले उप चुनाव और बजट को लेकर चर्चा हुई है। लोकसभा चुनावों से पहले भी सीएम भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी को राजे से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की आज की मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। सीएम भजनलाल की वसुंधरा से मुलाकात को आपसी रिश्ते सामान्य करने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, जब से भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बने हैं, तब से वसुंधरा राजे ने सरकारी और पार्टी के कार्यक्रमों से पूरी तरह से किनारा कर लिया था। भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार, पीएम नरेंद्र मोदी के विधायक और पार्टी पदाधिकारियों के साथ डिनर कार्यक्रम, लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित हुई चुनिंदा नेताओं की बैठक में भी राजे शामिल नहीं हुई थीं। वहीं, लोकसभा चुनावों में भी राजे ने खुद को झालावाड़ संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रखा था। राजे पूरे लोकसभा चुनावों में किसी दूसरे संसदीय क्षेत्र में प्रचार के लिए नहीं गई थीं। इसे राजे की नाराजगी के तौर पर देखा गया था। अब

इस साल होने वाले विधानसभा उप चुनाव सीएम भजनलाल के लिए असली चुनौती है। ऐसे में राजे को साधना पार्टी के लिए काफी जरूरी हो गया है।

# विश्व मंगल कामना और शांति यज्ञ के साथ सिद्ध चक्र महामंडल विधान संपन्न

## शोभायात्रा निकाली, धर्मनगरी में सोमवार को प्रज्ञा सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश

**सौरभ जैन. शाबाश इंडिया**

**पिड़ावा।** आध्यात्मिक व धार्मिक नगरी पिड़ावा में वर्षा कालीन धर्म देशना के तहत मूल नायक श्री पुष्पदंत जिनालय लाल मन्दिर नयापुरा में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में 30 जुन से 7 जुलाई तक पूण्यारजक परेवा परिवार द्वारा श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ मंगल कामना के लिए 8 दिन तक आयोजन भक्ति भाव पूर्वक किया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया की पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर महाराज की शिष्या गणनी आर्यिका रत्न श्री 105 पूर्ण मति माताजी के मंगल आशीर्वाद से प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रम्हचारी अनिल जैन भोपाल के कूशल निर्देशन व माताजी संधस्थ बाल ब्रह्मचारी ऋतु दीदी, पिंकी दीदी के पावन सानिध्य में आयोजित अनंत सिद्ध भगवन्तो के गुणानुवाद का महा अनुष्ठान विधानो का महाराजा श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव जिसके प्रत्येक अर्ध में संपूर्ण जिन शासन का महात्म्य का दर्शन होता है। 30 जून से 7 जुलाई तक आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ रविवार को भक्ति भाव पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रविवार को प्रातः7 बजे भगवान का अभिषेक, शांतिधारा नित्य नियम कि पूजन के बाद विश्व शांति महायज्ञ किया गया। उसके बाद भगवान को पालकी में विराजमान कर बेण्ड़ बाजो के साथ नगर में शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पुरुष वर्ग भक्ति करते हुए व महिलाएं केसरिया व मण्ड़ल साड़ी में सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से नयापुरा होते हुवे खंडुपुरा, पिपली चौक, शहर मौहल्ला, सेठान मौहल्ला होते हुवे नयापुरा पहुंची। जहां पर मंत्र उच्चारण के साथ भगवान पर अभिषेक किया गया अभिषेक के पश्चात सकल दिगम्बर जैन समाज व बाहर से पधारे अतिथियों का वात्सल्य भोज नयापुरा बगिची में हुआ। अन्त में सोधर्म इन्द्र महावीर जैन गुड्डा, सकल दिगम्बर जैन समाबीबीज अध्यक्ष अनिल चेलावत द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। वहीं पिड़ावा में सोमवार को परम पूज्य आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश प्रातः 8 बजे होगा महाराज श्री सुसनेर से पेदल विहार करते हुवे शनिवार को अमरकोट पहुंचे रविवार को अमरकोट से विहार करते हुवे रामपुरिया पहुंचेंगे और सोमवार को पिड़ावा नगर में मंगल अगवानी होगी।

## पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

**आगरा. शाबाश इंडिया**

वात्सल्य सेवा समिति अवधपुरी के तत्वावधान में 7 जुलाई को आगरा के शाहगंज स्थित अवधपुरी कॉलोनी के पुष्पांजलि फेस थर्ड के पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें समिति की प्रत्येक सदस्यों ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए एक-एक पौधा लगाया और उनके संरक्षक एवं संवर्धन का संकल्प लिया। वर्तमान समय की यह आवश्यकता है प्रत्येक वर्ष प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य को एक-एक पौधा लगाना चाहिए तभी हम प्रकृति में आए हुए बदलाव से बच सकते हैं और अपने जीवन को सुखद एवं सुरक्षित रख सकते हैं। पर्यावरण के संदर्भ में केवल पौधा लगाकर ही हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती बल्कि आगे के पांच साल तक उसकी देखभाल करें और उसे सुरक्षित करें तब कहीं जाकर के हमें कुछ परिणाम देखने को मिल सकता है। इस मौके पर रश्मि जैन, करुणा जैन, कविता जैन, रिंकी जैन, पुष्पा जैन, रागिनी जैन, प्रतिभा जैन, सरोज, नीलू ज्योति, संजू, आईपी जैन राकेश जैन सत्यवीर चौधरी, प्रमेश वर्मा, आदि उपस्थित रहे।

**भवदीय: रश्मि जैन**

## सड़क के डिवाइडर पर पौधारोपण किया

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

रविवार को पर्यावरणविद् दीप कंवर के नेतृत्व निवारू रोड स्थित गणेश नगर मेन कॉलोनी के डिवाइडर पर पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलोनी के बच्चों ने भी अपनी भागीदारी निभाई नेचर लवर दीप कंवर ने जयपुर में कॉलोनी के डिवाइडर पर पौधारोपण की पहल कर कॉलोनी की महिलाओं एवं दुकानदारों को डिवाइडर पर पौधारोपण के लिए जागरूक किया। उनके अनुसार पर्यावरण संरक्षण किसी संस्था एवं एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है यह सभी नागरिकों की नैतिक जिम्मेदारी है। उनका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को घर-घर तक पहुंचाना है।

# गणाचार्य विरागसागर की हुई विनयांजलि सभा

## गणाचार्य ने जीवंत किया विलुप्त होती जैन संस्कृति को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

परम पूज्य, राष्ट्रीय संत भारत गौरव, गणाचार्य, बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, युग प्रतिक्रमण प्रवर्तक, उपसर्ग विजेता, महासंघगणनायक परम पूज्य गणाचार्य श्री विरागसागरजी महाराज का 4 जुलाई को जालना महाराष्ट्र के नजदीक देवमूति ग्राम सिंदखेडा में , राजा रोड़ पर समता पूर्वक समाधि मरण हो गया। श्री दिगम्बर जैन अतिषय क्षेत्र मन्दिर संघीजी में गुणानुवाद एवं विनयांजलि सभा रविवार को मुनिवर श्री 108 महिमासागरजी महाराज व पूज्य आर्यिका श्री विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में हुई। इस मौके पर मुनिसंघ व आर्यिका संघ ने संस्मरण सुनाते हुए गणाचार्य को भावों से विनयांजलि दी। मानद मंत्री नरेन्द्र पांडया ने बताया कि इस मौके पर काफी संख्या में साधु-संतों के अलावा विभिन्न कालोनियों के लोगों ने भाग लिया और अपने संस्मरण के माध्यम से भावों से आचार्यश्री को विनयांजलि दी। इस अवसर पर सभा में भारतगौरव गणिनी आर्यिकारत्न श्री विज्ञाश्री माताजी ने आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज के गुणानुवाद में कई संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जब वे मात्र 16 वर्ष की अवस्था के थे और षांति निकेतन में अध्ययन कर रहे थे उस समय समाधिसम्राट आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज का संघ वहां आया और उन्होने विरागसागरजी बाल्यावस्था नाम अरविन्द की बुद्धि परीक्षा के लिए एक सादा कागज पर एक और भारत का नक्षा बनाया और दूसरी और एक व्यक्ति का नक्षा बना कर उस कागज के टूकडे-टुकडे कर दिए और बालक अरविन्द को इसे पुनः जोडने के लिए दिया तो कुषाग्र बुद्धि अरविन्द (आ.विरागसागरजी) ने पुनः हुबहू उसे जोड कर अपनी बुद्धि का परिचय दिया तो आ.सन्मतिसागरजी महाराज ने उसी समय उनसे कहा कि यह कमण्डल उठाओ और चलो मेरे साथ। क्योंकि आ.सन्मति सागरजी महाराज अवधि ज्ञानी थे जिन्होने भाप लिया था कि यह बालक आगे चल कर पूरे भारत को एक करने का सामर्थ्य रखता है और आचार्य विरागसागरजी महाराज ने पूरे भारत में जैन धर्म की प्रभावना करते हुए लगभग 550 षिष्य-प्रषिष्यों का विषाल संघ तैयार कर देष में विलुप्त होती जैन संस्कृति को जीवन्त किया है। पूज्य विज्ञाश्री माताजी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी मन्दिरों की कमेटियों के पदाधिकारियों को सीख देते हुए कहा कि आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज ने जिस प्रकार पूरे भारत को जोडा है आप सब भी अपनी कालोनी के समाज को एक करने का दायित्व निर्वाह करना, समाज में विघटन नही संगठन बनाए रखना। इसीलिए हमने आज संघीजी मन्दिर को विनयांजलि के लिए चुना है क्योंकि यह स्थान भी संघ को एक बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है इसीलिए इसका सरनेम संघी है। इस मौके पर मुनिवर श्री 108 महिमासागरजी महाराज ने भी आचार्यश्री को याद करते हुए अपनी विनयांजलि दी। मन्दिर संघीजी सांगानेर के उपाध्यक्ष सुरेष कासलीवाल ने बताया कि आचार्यश्री द्वारा कई दीक्षाएं देकर संघ की व्यवस्थित रूपरेखा तैयार की गई एवं अंन्तिम समय में भी मूल आगम ग्रंथ भगवती आराधना में संल्लेखना का जो वर्णन एवं विधि बताई गई है तद्नानुसार अपने परिणाम रख कर सभी को क्षमा सभी से क्षमा करते हुए संघ के साधुओं को सम्बोधित कर अपना आषीर्वाद पूर्ण होष हवास में देकर अपनी उत्कष्ठ चर्या का परिचय दिया है जो जैन इतिहास में एक उदाहरण के रूप में माना जायेगा। इस सम्बन्ध में मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज से सम्बोधन प्राप्त कर अपना देह परिवर्तन किया गया है जो आन्तरिक राग द्वेष को त्याग कर अपनी साधना को पूर्ण किया है यह हमारे लिये बहुत प्रेरणादायक रहेगा। हमें आज भी अक्षरषः याद है कि 9 जून 2012 को प्रातः 7.30 बजे संघीजी मन्दिर सांगानेर में परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज अपने चतुर्विद संघ (लगभग 121 पीछी) के साथ मंगल प्रवेष किया था और आचार्य संघ ने मन्दिर संघीजी में जिन प्रतिमाओं के दर्षन कर धर्म सभा में अपने उद्गार व्यक्त करते हुये आचार्यश्री ने कहा कि यह हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि हम सब आज सांगानेर वाले बाबा श्री आदिनाथ भगवान के पादयुग में बैठे है। यही हमारी पुण्य श्रंखला को वृद्धिगत करने वाला होता है क्योंकि जहां व्यक्ति भगवान की आराधना पूजा अर्चना करता है वहां की वर्गणाओं में असीम उर्जा होती है। मन्दिरों में अथवा धर्मसभा में बैठना यहां की पवित्र उर्जा का संग्रह करना होता है। आचार्यश्री ने सांगानेर क्षेत्र के बारे में बताते है हुए कहा कि सांगानेर मन्दिर की कलाकृतियां हमारे पूर्वजों की आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक है।

# पंचामृत अभिषेक से प्रारंभ हुआ स्थापना दिवस

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर जयपुर ने आज अपना 42 वा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। मंदिर अध्यक्ष अरुण काला मटरु ने बताया की मन्दिर के मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान के प्रातः में पंचामृत अभिषेक हुये तत्पशवत संगीतमय पारसनाथ विधान का आयोजन किया गया। विधान के बाद सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया । महामंत्री जगदीश जैन ने बताया की इस वर्ष मंदिर मैं आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि समत्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री शील सागर जी महाराज का चातुर्मास होना निश्चित हुआ है । प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया की चातुर्मास हेतु मुनि श्री का संघ मंगल प्रवेश 18 जुलाई को प्रातः 8 बजे कीर्ति नगर जैन मंदिर में होगा एवं कलश स्थापना रविवार 21 जुलाई को दोपहर 1 बजे होगी ।

## वेद ज्ञान

# संसार परिवर्तनशील है

यह संसार परिवर्तनशील है। इस संसार में कोई किसी का नहीं है। आप स्वयं में अकेले थे, हैं, और रहेंगे। जगत में संबंध बनते, बिगड़ते रहते हैं। स्मरण करें, जब आप प्रथम बार विद्यालय गए थे। दाखिला लेने के बाद उस विद्यालय में कितने लोगों से संयोग बना। कालांतर में धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए, नए-नए संबंध बनने लगे और पुराने टूटते गए। जगत में रहते हुए संयोग बनते ही रहते हैं और बिगड़ते भी जाते हैं। जब संयोग बना, तब भी आप थे और जब वियोग हुआ, तब भी आप ही स्वयं थे, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आप वहीं के वहीं रहे। आपका अस्तित्व किसी के साथ संबंध बनने व समाप्त हो जाने के अधीन नहीं है। संयोग बनना व वियोग होना तो सांसारिक प्रपंच मात्र है। हां, संसार में जीवित रहने पर लोगों से संबंध बनते अवश्य हैं, परंतु यह संदेह रहित है कि सत्यस्वरूप आप अकेले थे और अकेले ही रहेंगे। मनुष्य का पारिवारिक संबंध जिसे अति आत्मीय व रक्त का संबंध कहा जाता है, जो सांसारिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण व सशक्त माना जाता है, ये संबंध भी स्थाई नहीं हैं। इस सत्यता का प्रकटीकरण तभी हो पाता है, जब कोई सबसे निकटतम प्रियजन जिससे कोई मनुष्य अतिस्नेह करता हो, जिसे अपना कहते-कहते उसकी जीभ थकती नहीं, जब वह इस संसार से विदा हो जाता है, तब उस मनुष्य के मस्तिष्क को जोरदार झटका लगता है और यह सच्चाई प्रकट हो जाती है कि इस जगत में कोई किसी का नहीं है। सभी इस जीवन के मार्ग में सफर करते हुए यात्री मात्र हैं। तभी वह सोते से जागता है। ढका हुआ सत्य पूर्ण रूप से प्रकट होकर सामने आ जाता है। वह ठहरकर सोचने लगता है कि अरे मैंने तो सोचा था कि संसार से विदा हो जाने वाले से हमारा कभी संबंध विच्छेद होगा ही नहीं, यह केवल मेरा मिथ्या भ्रम ही था। इस सांसारिक जीवन यात्रा में लोग बदलते हैं, समाज बदलता है और दुनिया बदलती है, मनुष्य का समय व आयु भी परिवर्तित हो जाती है, परंतु सत्य स्वरूप आप स्वयं के स्वयं ही रहते हो।

## संपादकीय

# बाबाओं की यूट्यूब जंग

जब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है। सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें।

पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन-रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है। पिछले ही दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे । इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों-करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार- पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है। परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान-प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। ह्यतद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया उपदेश्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः ।।4.34।। ह्य परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग-अलग गुरुओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# जीवों के डॉक्यूमेंटेशन से बढ़ीं उम्मीदें

पिछले कुछ दशक से पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में समूचे जीव-जगत के संरक्षण पर खूब बातें होती रही हैं। मगर इस तरह की बातों का कोई ठोस हासिल तभी है, जब जमीनी स्तर पर व्यावहारिक कदम उठाए जाएं और उसी के मुताबिक नीतिगत स्तर पर नई पहल किए जाएं। मसलन, धरती की आबोहवा बिगड़ने की चुनौतियों के समांतर जैव-विविधता और उसके संरक्षण के मसले पर अगर ध्यान दिया जाए, तो दुनिया में पारिस्थितिकी से जुड़ी मुश्किलों को भी कुछ कम किया जा सकता है। इस लिहाज से भारत जीव-जंतुओं की विभिन्न प्रजातियों का दस्तावेजीकरण करने वाला पहला देश बन गया है। इसमें एक लाख चार हजार इकसठ प्रजातियों को शामिल किया गया है। यह सूची जीव प्रजातियों पर सबसे पहला व्यापक दस्तावेज है। इसका सबसे अहम संदेश यही गया है कि दुनिया भर में पर्यावरण में हो रहे बदलावों और नित नई खड़ी हो रही चुनौतियों के बीच भारत प्रकृति संरक्षण को लेकर केवल चिंता नहीं जताता, बल्कि वास्तविक सरोकार भी रखता है। जीव-जंतुओं की इस सूची में स्थानीय और संकटग्रस्त प्रजातियों के साथ ही सूचीबद्ध प्रजातियों को भी शामिल किया गया है। जलवायु परिवर्तन, मानवीय गतिविधियों और जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में कई जीवों का अस्तित्व खत्म हो गया या फिर वे विलुप्त होने के कगार पर हैं। जबकि धरती पर जीवधारियों का होना या जैव-विविधता पारिस्थितिकी संतुलन के लिहाज से अनिवार्य है। किसी भी जीव के विलुप्त होने का सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इस तरह की सूची बनाने का फायदा यह होगा कि इसके जरिए जीव-जंतुओं का सर्वेक्षण करके उनके लिए भरोसेमंद संरक्षण का इंतजाम और पर्यावरण से सबंधित सूचनाएं तैयार करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, पक्षियों की संख्या में आ रहे बदलाव, उन पर स्थानीय, क्षेत्रीय

और महाद्वीपीय स्तर पर मौसम और भूपारिस्थितिकी के असर का आकलन भी किया जा सकता है। इस दस्तावेजीकरण के जरिए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकताओं और पर्यावरणविदों को सभी जीवों की सूची के वर्गीकरण के साथ-साथ इसके आधार पर प्रकृति के संरक्षण के लिए नीतियां बनाने की दिशा में ठोस पहल करने में मदद मिलेगी।

**शाबाश इंडिया।** आज आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में, धरती धरती का कर्ज चुकाने का अभियान, एक पेड़ मां के नाम, अभियान में लगभग 100 पेड़ लगाए गए, कार्यक्रम में भाजपा विधानसभा प्रत्याशी रवि जी, कमिश्नर अभिषेक जी सुराणा, क्षेत्रीय पार्षद नीरज अग्रवाल, हेरिटेज मेयर मुनीश गुर्जर, सुधीर जी गंगवाल विनोद सुधा जैन मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जी जैन, ने उपस्थित होकर पेड़ लगाए।

# भगवान बाहुबली अखाडे का हुआ उदघाटन

**शाबाश इंडिया।** विश्व जैन संगठन इंदौर और वात्सल्य समूह के प्रयासों से इंदौर में भगवान बाहुबली अखाडे का उदघाटन प्रतिभा चयन छात्रावास इंदौर में हुआ। प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि कैलाश जी वेद, पूर्व डीएसपी डीके जी जैन, श्रेष्ठि अमित कासलीवाल, और तीर्थसंरक्षिणी महासभा के देवेंद्र सेठी रहे। संगठन के अध्यक्ष मयंक जैन ने बताया कि अखाड़े का लक्ष्य है कि जैन समाज मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बने। यह केवल एक अखाड़ा ही नहीं बल्कि शक्ति, अनुशासन और वीरता का प्रतीक है। यहां हम सिर्फ तन से मजबूत नहीं बनेंगे, बल्कि चरित्रवान और देशभक्त नागरिक बनने का प्रशिक्षण लेंगे। महामंत्री ओम पाटोदी ने बताया कि यहाँ हम एकाग्रता, धैर्य और आत्मविश्वास का अभ्यास करेंगे। इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष कैलाश जी वेद ने बताया कि यह अखाड़ा क्यों आवश्यक है। डीके जैन साहब ने बताया कि किस तरह से आने वाली पीढ़ी अपने को तैयार कर सकती है। अमित कासलीवाल ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करी। साथ ही देवेंद्र जी सेठी ने सभी तरह से साथ देने का आश्वासन देकर आगे बढ़ने की बात कही। छात्रावास प्रबंधक श्री सीतेष जी ने अखाड़े के सदस्यों को प्रोत्साहित किया। छात्रावास संस्थापक श्री नरेंद्र पप्पाजी ने सभी की अनुमोदना करी। सभा का संचालन सीए अभिषेक जैन और सीएस अभय जी जैन ने किया। संतोष जी जैन समर्थ सिटी ने सभी व्यवस्था में सहयोग किया। योग अभ्यास श्री दिनेश जी और हेमंत जी ने किया। आगामी दिनों में अखाड़े की और भी शाखाएं खोली जाएंगी।

# राधेश्याम अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष व संजय गुप्ता बने महासचिव

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

महाराजा अग्रसेन प्रादेशिक महासभा की गठित नई कार्यकारिणी में प्रमुख समाजसेवी राधेश्याम अग्रवाल अध्यक्ष व संजय गुप्ता को महासचिव चुना गया। इस बारे में अध्यक्ष अग्रवाल ने बताया कि समाज के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक दृष्टि से पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के उद्देश्य के लिए संगठित होकर समाज के हित के लिए आगे आना होगा। समाज के लोगों की आवाज को उठाने के लिए संगठन बनाने की आवश्यकता थी । इसलिए संस्था का गठन हुआ है। संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, समाज के गरीब परिवारों के बच्चों की शादी ऐसे सामाजिक कार्य है। महासचिव गुप्ता ने बताया कि संस्था समाज कल्याण से संबंधित सभी कार्यों पर जोर देगी। समाज का विकास हो इस पर कार्य करेगी।

**शाबाश इंडिया।** धरती का कर्ज चुकाने का एक अभियान एक पौधा मां के नाम के तहत आज जनता कॉलोनी में, भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रत्याशी रवि जी कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशी बिंदल साहब जनता कॉलोनी जैन सभा के सदस्य सुधीर जी गंगवाल विनोद जैन सुधा जैन, ने संकल्प लेकर 25 पौधे लगाए कि वह उनकी देखभाल का जिम्मा लिया।

# आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की दो अनुपम शिष्यों का होगा इंदौर में चातुर्मास

**इंदौर. शाबाश इंडिया।** मां अहिल्या नगरी इंदौर का बड़ा सो भाग्य जागा है इस वर्ष संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के दो अनुपम शिष्यो का वर्षायोग चातुर्मास कराने का परम सोभाग्य इंदौर नगर को मिला है। इंदौर वासियों के मन में यह भाव बन रहा है करलो तैयारी गुरुदेव आरहे है । अपने अपने द्वारे चोक पूरकर,थाल सजाकर दिपक जलाकर मंगल आरती करेंने को आतुर है। पूज्य विनम्र सागर जी महाराज ससंघ की इदौर शहर मे भव्य मंगल आगवानी 14 जुलाई रविवार सुबह 8 बजे से उदय नगर जैन मंदिर से गोयल नगर , तिलक नगर, कनाडिया रोड होते हुए समोशरण मंदिर के लिए होगी । एवं चातुर्मास मंगल कलश स्थापना तारीख 28/7/24 को दोपहर 1/30 बजे से दलाल बाग छत्रपति नगर में होगी। समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू सकल जैन समाजजन , सामाजिक सांसद , सोशल ग्रुप फेडरेशन नगर के सभी सोशल ग्रुप सदस्य एवं समस्त संस्थाऐ,महिला संगठन, मंडल सभी से अपील की है की इस अनुपम नवीन रूप मे होने वाली भव्य आगवानी जुलूस मे शामिल होकर इदौर का गौरव बढ़ाएं एवं तारीख 17/7/24 बुधवार को प्रातः परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी की भव्य मंगल मय अगवानी के लिए पुनः इसी तरह से तैयार रहे और नमोस्तु शासन जयवंत करें। शोभयात्रा का पूरा प्रबंध सकल जैन समाज इंदौर के तत्वाधान में दयोदय चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट रेवती रेंज एवम पुलक चेतना मंच करेगा।

# श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में स्वास्थ्य जांच कैंप आयोजित हुआ

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट बापू नगर एवं डॉ. लाल पैथ लैब्स के सहयोग से प्रातः स्वास्थ्य जांच कैंप संपन्न हुआ। प्रारम्भ में ट्रस्ट पदाधिकारीयों ने डॉ. लाल पेथ लैब्स के स्टाफ सदस्यों का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि कैंप में मुख्य जांच थायराइड, शुगर, कैल्शियम, कोलेस्ट्रॉल, यूरिकएसिड, लिपिड प्रोफाइल, पूरे शरीर की प्रमुख जांचें रियायतीदरो पर 41 व्यक्तियों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांचें कराई। डॉ. लाल पैथ लैब्स के प्रमुख आदित्यपांडे, विनोद यादव, शोभितचनसोरिया, राहुल खटीक, मुकेशकुमार आमेटा आदि के संयोजन में श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर बापूनगर परिसर में स्वास्थ्य जांच कैंप प्रातः 8:00 बजे से 11:00 बजे तक आयोजित हुआ। ट्रस्ट के मंत्री पूनम चंद सेठी ने सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अशोक पाटोदी, राजेंद्रसोगानी, प्रकाश पाटनी, राकेशबघेरवाल ताराचंदझाझरी, कमलचंद कासलीवाल, गोवर्धन अग्रवाल, कमलेशसेठी, कल्पनासोगानी, विमला पाटनी, आदि समाजजन उपस्थित थे।

# श्री विराग सागर जी महाराज को लार समाज ने दी विनयांजलि

मुकेश जैन. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। दिगंबर जैन समाज के आचार्यों में से एक लगभग 350 दीक्षा प्रदाता बड़े संघ के जननायक 108 गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की बुधवार रात महाराष्ट्र के देवमूर्ति ग्राम शिंडखेड के निकट संलेखना पूर्वक समाधि मरण हो गया। जिससे की पूरे जैन समाज और उनके अन्य समाज के भक्तों में शोक की लहर छा गई।श्री विराग सागर जी महाराज का समाधि मरणः पर समाजजनों ने दी विनयांजलि दी। दो दिनों पहले विहार के दौरान आचार्य श्री का स्वास्थ्य खराब हुआ था और विगत दिवस अष्टमी के दिन उन्होंने अपनी नश्वर देह को त्याग दिया। इस के लिए दिगंबर जैन समाज लार द्वारा दिगंबर जैन मंदिर में विनयांजलि और भक्तामर के 48 दीप प्रजावलित किये। पंडित कमल कुमार जी शास्त्री ने बताया की आचार्य श्री का दो दिवस पूर्व विहार के दौरान स्वास्थ्य खराब हुआ था। उसी के दौरान उन्होंने अपने आचार्य पद का भी त्याग कर दिया था और अपने शिष्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी को अपना पट्टाधीश घोषित कर दिया था और सारे परिग्रह का भी त्याग कर रात्रि 2.30 पर समाधि को प्राप्त हुए। पुष्पेंद्र जैन ने बताया आचार्य श्री ने अपने दीक्षा काल में 44 स्थानों पर 44 वर्षायोग चातुर्मास किए। साथ ही अपने सभी शिष्यों के नाम वी अक्षर से ही रखे जो की अपने आप में एक इतिहास है और अपनी माता श्यामा देवी और पिता कपूर चंद जी को भी आर्यिका और मुनि दीक्षा देकर समाधि करवाई। ऐसे विरले ही होते है जो अपने पूरे परिवार और माता पिता का भी कल्याण करते है। आचार्य श्री ने लौकिक शिक्षा के साथ शास्त्री की शिक्षा भी प्राप्त की और 4 अनुयोगो के ज्ञाता कई शास्त्र लिखे और इस धरती के जीवों के कल्याण के लिए उनके दीक्षित श्रमण धर्म प्रभावना कर रहे हैं। जैन समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र जैन ने बताया आचार्य श्री के इस समाधि मरण को सम्पूर्ण श्रमण संघ और जैन समाज ही नही मानव समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया और बताया की आचार्य श्री बहुत वात्सल्य रखते थे, उनकी पूर्ति करना बहुत मुश्किल है। विजय जैन दिनेश जैन वीरेंद्र जैन ने विनयांजलि अर्पित की।

# रोटरी क्लब जयपुर नार्थ का मंदिर दर्शन, गायों को चारा और वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के सत्र के पहले रविवार को आज दिनाक 7/7/2024 को शानदार आगाज के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ किया- कार्यक्रम का श्रीगणेश सभी रोटेरियनस द्वारा खोले के हनुमान जी के दर्शन के साथ किया ! सभी ने भगवान हनुमान जी के दर्शन किये और आशीर्वाद प्राप्त किया ! दर्शन के तुरंत बाद सभी रोटएरियंस ने श्री राम गौशाला में गायों को चारा खिलाया ! इसके बाद रोटेरियन श्री तनुज निकिता जैन के होटल सूर्यगढ़ में सभी रोटएरीअनस का शानदार ढ़ोल के साथ स्वागत किया गया सभी को माला पहनाई गयी और सभी ने जमकर डांस किया, उनके द्वारा सभी को लजीज नास्ता कराया गया ! कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय श्री दिलीप टन्डन, असिस्टेंट गवर्नर, रोटरी 3056 थे ! रोटेरियन श्री राजीव जैन, पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब जयपुर नार्थ भी उपस्थित थे ! अध्यक्ष श्री अनिल जैन ने पधारे हुए सभी रोटेरिन्स का स्वागत किया और आगामी किये जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार सें जानकारी प्रेषित की ! कार्यक्रम में रोटेरियन श्री राजकुमार रेनू जैन को शादी की सालगिरह की शुभकामनायें प्रेषित की गयी और क्लब में नये जुड़ने वाले सदस्यों का स्वागत किया गया ! अंत में रोटेरियन सह सचिव तरुण जैन और ढफ्ह श्रीमती सुनीता जैन ने पधारे हुए सभी अतिथियों का और रोटेरियन तनुज निकिता जैन का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

# प्राचीन मंडाला कला

यह एक चित्र शैली की बहुत ही प्राचीन कला है जो पहली शताब्दी से चली आ रहा है परंतु मध्यकाल में यह कला बहुत कम होती चली गई और एक समय आया यह कला लुप्त होती चली गई इस कला को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है जिस देश की धरोहर पुनर्जीवित हो सके मंडाला कला ब्रह्मांड और मानव मानस का एक आध्यात्मिक और कलात्मक प्रतिनिधित्व है। मंडाला शब्द संस्कृत शब्द 'वृत्त' से आया है और पारंपरिक रूप से गोलाकार डिजाइन दिखाता है, हालांकि वे चौकोर या आयताकार भी हो सकते हैं। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और शिंटो धर्म में, मंडल देवताओं, स्वर्गों या तीर्थस्थलों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतीकात्मक मानचित्रों के रूप में कार्य करते हैं। वे बाहरी दुनिया से लेकर आंतरिक कोर तक की आध्यात्मिक यात्रा को दशार्ते हैं ।इस कला को बनाने में पेंसिल की जरूरत होती नही है ना किसी कलर की बल्कि एक मात्र एक काले रंग की स्याई के पेन से बनाया जाता है इस चित्र को बनाते समय एकाग्रता एवं कल्पना की बहुत आवश्यकता होती है यह प्रक्रिया मन की शांति को बढ़ावा देती है और कलाकार को वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। मैं श्रद्धा भंडारी इस कला को सीखने का प्रयास किया और एकाग्रमन से कला के अंदर डूबती चली गई और आज लगभग इस कला में मैंने 50पेंटिंग बना चुकी हूं जिसका आज की युवा पीढ़ी ने बहुत ही मुझे उत्साहित किया इस आर्ट को जन-जन तक पहुंचने में श्री राम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट सदस्यों का और विशेष तौर पर नवीन जी भंडारी ने इस कला को जन जन तक पहुंचने में जन जागृति अभियान की शुरूआत करके कला के क्षेत्र में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया मैं ट्रस्ट को भी देश और समाज हित में कार्य करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और आप सब लोगों से अपील करती हूं कि यदि आप भी कोई जानकारी देना चाहते हैं तो नीचे लिखी मेरी इंस्टा आईडी पर कमेंट करके पूछ सकते हैं इस आर्ट को देखने के लिए आप मुझे मेरी इंस्टा आईडी पर फॉलो कर सकते हैं ।

# शक्ति नगर में ऋषि मंडल विधान का आयोजन हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर पल्लीवाल मदिंर शक्ति नगर में ऋषि मंडल विधान का आयोजन हुआ। सुनीता अजमेरा ने बताया कि 6 जुलाई को ऋषि मंडल का विधान कराया गया विधान पुण्यार्जक व दीप प्रज्वलित मीतू पाटोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मीनू गगंवाल, राजकुमारी वैद, अकिंता बिलाला,आशा अग्रवाल व सभी सदस्यों ने भक्ति भाव से विधान किया।

**श्री पारस जी-श्रीमती मोना जी जैन**

को वैवाहिक वर्षगाठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना

शुभेच्छु

मणि कुमार, वीरबाला-निर्मल, अनुप्रेक्षा-शुभम, निमिषा, निश्चल सपरिवार


# 43 वीं मर्म चिकित्सा विज्ञान कार्यशाला का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

रविवार, 7 जुलाई को पिंक सिटी आयुर्वेद संस्थान केसरगढ़ कैंपस जे एल एन मार्ग जयपुर स्थित , मर्म चिकित्सा कार्यालय पर 43 वीं मर्म चिकित्सा विज्ञान कार्यशाला की गई, जिसमें प्रसिद्ध आयुर्वेद विद्वानों द्वारा स्वास्थ्य पर व्याख्यान हुए, इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रुप में प्रो श्री निवास शर्मा पंचकर्म विशेषज्ञ,प्रो सहदेव आर्य, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर, डा राहुल शर्मा , नवीन आयुर्वेद योग महाविद्यालय प्रताप नगर जयपुर , बी एस भारद्वाज सुजोक विशेषज्ञ ने स्वास्थ्य पर अपने महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए।समापन के अवसर पर डा पीयूष त्रिवेदी ने सभी विद्वानों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए। इस संस्थान से जुड़े मर्म चिकित्सा प्रशिक्षण करने वाले 80 लोगों को नवीन शोध पर काम करने का अवसर मिला।

**रिपोर्ट -डॉ पीयूष त्रिवेदी**
**अध्यक्ष पिंकसिटी आयुर्वेद संस्थान जयपुर।**

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।


**सम्पादकः राकेश जैन गोदिका**
**@ 94140 78380, 92140 78380**

**दैनिक ई-पेपर**

**शाबाश इंडिया**

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# श्रमण श्रुतुसंवेगी श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज ससंघ का चातुर्मास हेतु भव्य मंगल प्रवेश

## चरित्र,तप,मैत्री और समता को जागृत करने का समय है चातुर्मासः गुरूदेव आदित्य सागर महाराज

**कोटा. शाबाश इंडिया**

चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन समाज समिति के द्वारा श्रमण श्रुतुसंवेगी श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज संघ का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश बूंदी रोड़ स्थित चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर रिद्धि–सिद्धि नगर कुन्हाडी में हुआ। मंदिर अध्यक्ष राजू गोधा व महामंत्री पारस कासलीवाल ने बताया कि केशवराय पाटन तिराहे मार्ग त्रिकुटा से श्रमण श्रुतुसंवेगी श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज,अप्रमित सागर और मुनि सहज सागर महाराज संघ का मंगल प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा में सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता,राजमल पाटोदी,कार्याध्यक्ष जे के जैन व प्रकाश बज,विनोद जैन टोरडी, मनोज जैन आदिनाथ,नरेश जैन वेद,मनोज जैन आदिनाथ अशोक पहाड़िया,पारस जैन सहित कई लोग उपस्थित रहे। प्रतिदिन आध्यात्मिक विशुद्ध ज्ञान पावन वर्षा योग के तहत धर्मसभा होगी। मुख्य पाद प्रच्छालन का सौभाग्य जम्बू कुमार ,पारस कुमार बज परिवार व शास्त्र भेंट करने का गौरव निर्मल व नीरज कुमार अजमेरा परिवार को मिला।

### पाद प्रच्छालन में उमड़ा सकल समाज

चातुर्मास आयोजन समिति के अध्यक्ष टीकम चंद पाटनी व पंकज खरोड़ ने बताया कि पावन वर्षायोग में रविवार को गुरुदेव संघ का मंगल प्रवेश केशोरायपाटन तिराहे मार्ग से प्रारंभ हुआ। 108 स्वागत द्वारा,रंगोली,घोड़े व जैन ध्वज पताका लिए हुए नन्हे बालक अगुवानी कर रहे थे। उन्हे पीछे 51 कारें व 51 मोटर साईकिल धर्म संदेश देती हुई चल रही। समिति के संजय लुहाडिया व पासर बज ने बताया कि ट्रैक्टर व ट्रॉली पर जीवंत झांकी से महावीर के संदेश,पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती चल रही थी। अशोक व संजय सांवला ने बताया कि गुरुदेव के चरणों को धाने व चरणामृत पीने के लिए समाज के लोगों में होड़ लगी थी। मार्ग में जगह –जगह पाद प्रच्छालन किया और गुरुदेव के चरण वंदना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। टीकम चंद पाटनी ने बताया कि श्रमण श्रुतुसंवेगी श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज,अप्रमित सागर और मुनि सहज सागर के मंगल आगमन पर भव्य शोभायात्रा में आधा दर्जन दिव्य घोष महिला बैंड अपनी सुर लहरियां बिखरते जा रहे थे। उनके पीछे महिला व पुरूष गुरूदेव का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे और गुरूदेव की चरणो की धूल सिर लागते नजर आ रहे थे। मार्ग में वात्सल्य ग्रुप द्वारा शुद्ध आहार की झांकी सजाई गई। चक्की से आटा,हाथो के मसाले व कुए से पानी निकालने का प्रदर्शन किया। पदम प्रभु बालिता मंडल द्वारा भी विशेष झांकी सजाई गई। सखी सुलोचना ग्रुप द्वारा पंच परमेष्ठी की झांकी सजाई गई।

### पुण्य उदय होने पर चातुर्मास में आते है

श्रमण श्रुतुसंवेगी श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज संघ ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मनुष्य का पुण्य उदय होते होते है तो वह चातुर्मास में आते है। उन्होने कहा कि इस अवसर पुण्य कर्मों के कारण ही प्राप्त होता है। उन्होने चातुर्मास की व्याखया करते हुए कहा कि चरित्र,तप,मैत्री व समता को जागृत करने का समय चातुर्मास है। इस समय हमें अपने अंदर जिनवाणी को उतारना है। उन्होने कहा कि यह चातुर्मास अभूतपूर्व,आध्यात्मिक व एतिहासिक होगा। समस्त कोटा के लोग जुड़कर इसमें लाभ सकते है। शहर में विभिन्न स्थानों पर धर्मसभा आयोजन भी होगा। उन्होंने भक्तों से कहा कि नगर में एक से अधिक संतों का चातुर्मास हो तो यह और भी आन्नददायक है। **समाचार संकलनः पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा राजस्थान**

# रक्तदान एवं निःशुल्क जांच शिविर संपन्न

## 108 युनिट रक्त एकत्रित - 380 लोगो ने चिकित्सा शिविर का लिया लाभ

जयपुर । समाजसेविका स्व. मीना जैन की चतुर्थ पुण्य स्मृति में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर पर स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया । रक्तदान शिविर में 108 युनिट रक्त एकत्रित हुआ तथा निःशुल्क चिकित्सा व जांच शिविर में 380 लोगो ने लाभ उठाया। स्वर्गीय श्रीमती मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट के संचालक ज्ञानचंद जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में प्रातः 9.15 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक आयोजित इस शिविर में राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा मुख्य अतिथि के रूप में , पार्षद अभय पुरोहित,मोहन लाल गंगवाल, सुरेश जैन बांदीकुई, धन कुमार कासलीवाल, विनोद जैन शास्त्री विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए ।शिविर का प्रोफेसर आईपी जैन, मृदुला जैन, विनोद जैन कोटखावदा ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, मंत्री अनिल जैन, सोभाग मल जैन, महेन्द्र जैन बसवा,ज्ञान चंद जैन, महिला मंडल अध्यक्ष भंवरी देवी ने अतिथियो का तिलक, माल्यार्पण, साफा, शाल ओढाकर एवं प्रतीक चिह्न भेट कर स्वागत व सम्मान किया।इस मौके पर विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में कहा कि रक्तदान महादान है। स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन मानव सेवार्थ उत्कृष्ट कार्य है। ज्ञान चन्द जैन ने बताया कि स्व. मीना जैन की पुण्यतिथि में वर्ष 2020 से प्रतिवर्ष स्वैच्छिक रक्त दान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। रक्तदान शिविर में कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट के संचालक शरद हिंगड़, मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट के संयोजक ज्ञान चन्द जैन के निर्देशन में 108 युनिट रक्त एकत्रित हुआ ।शिविर सलाहकार सौभाग मल जैन ने बताया कि रक्तदान के साथ स्वस्तिक डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से ब्लड शुगर, बीपी एवं थायराइड अन्य जांच, सिद्धम E.N.Tअस्पताल द्वारा निःशुल्क नाक कान गला एवं मनु श्री आई अस्पताल द्वारा निशुल्क आंखों की जांच की गई । ट्रस्ट द्वारा सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट, मोमेंटो एवं वृक्षारोपण के पौधे का निःशुल्क वितरण किया गया ।मंच संचालन सोभाग मल जैन ने किया।

# दिगम्बर जैन धर्म की लुप्त प्रायः हो रही यति सम्मेलन परम्परा के प्रणेता थे आचार्य विराग सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

महाराष्ट्र के जालना में समाधिस्थ हुए 350 से अधिक जिनेश्वरी दीक्षा प्रदान करने वाले राष्ट्र संत गणाचार्य विराग सागर महाराज की विन्यांजलि सभा मुनि समत्व सागर महाराज एवं मुनि शील सागर महाराज के सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज एवं श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित की गई ।इस मौके पर मुनि समत्व सागर महाराज ने कहा कि जीवन जीना जिसको सीखना है उसे मरने की कला भी सीखनी होगी। उन्होंने कहा कि जयपुर के सीकर रोड पर भवानी निकेतन में मई, 2012 में प्रथम यति सम्मेलन युग प्रतिक्रमण करवाकर आचार्य विराग सागर महाराज ने दिगम्बर जैन धर्म की लुप्त प्रायः हो रही परम्परा को पुनः जीवित किया है। जिन संस्कृति णमो लोए सव्व साहूणमं में सभी श्रमणों को समान दृष्टि से देखती है। संत हमारी आस्था, श्रद्धा और संस्कृति के जीवन्त प्रतीक है। आचार्य श्री आज भी हमारे बीच में है, हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर जैन संस्कृति को आगे बढाना होगा। समाज को आज मजबूत एकता की आवश्यकता है। श्रमण परम्परा के आचार्य विमल सागर, आचार्य विद्यासागर,आचार्य विराग सागर जैसे महान आचार्यों ने ही जिन संस्कृति एवं जिनागम को जीवन्त रखा हुआ है। आचार्य चतुर्विद संघ के जननायक थे। उनके जैसा अनुशासन, दूरदर्शिता, वात्सल्य और स्नेह देखने को ही मिलता है। बिना आगम के प्रमाण के एक भी परम्परा उन्होंने नहीं चलाई है। आगम के प्रमाण के साथ ही वे उपदेश देते थे। जयपुर के यति सम्मेलन एवं युग प्रतिक्रमण एवं दिगम्बर जैन साधु संतों के विचरण को इतिहास में सुरक्षित रखने के लिए ताम्र पत्र एवं शिलालेखों पर लिखना चाहिए। श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां में शनिवार को दोपहर 2 बजे से आयोजित इस विन्यांजलि एवं गुणानुवाद सभा में जयपुर के दिगम्बर जैन मंदिरों, दिगम्बर जैन संस्थाओं, महिला मण्डलों, युवा मण्डलों एवं सोश्यल ग्रुपों के पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि विन्यांजलि एवं गुणानुवाद सभा में श्रद्धालुओं ने अश्रुपूरित एवं अवरुद्ध कंठो से आचार्य श्री विराग सागर महाराज के सानिध्य में बिताए गये अविस्मरणीय क्षणों का बखान किया। शुरू में सीमा जैन गाजियाबाद ने 'ले के एक आस चलो गुरु के पास..... मंगलाचरण प्रस्तुत किया। समाज के देव प्रकाश खण्डाका, राजीव जैन गाजियाबाद, एन के सेठी, सुनील बख्शी, पदम चन्द बिलाला, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,हेमन्त सोगानी, सुमेर रावकां, शीला डोड्या, कमल बाबू जैन,रविन्द्र बज, जगदीश जैन, संजय जैन, पं. सनत कुमार शास्त्री, इंदिरा बड़जात्या, जिनेन्द्र जैन जीतू आदि ने गणाचार्य श्री के प्रति विन्यांजलि प्रस्तुत करते हुए उनके जीवन चरित्र, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। गणाचार्य विमल सागर महाराज का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए डॉ विमल कुमार जैन ने मंच संचालन किया।अन्त में विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का नो बार सामूहिक पाठ किया गया। जिनवाणी स्तुति से समापन हुआ। इस मौके पर प्रवीण चंद्र छाबड़ा, महेश चांदवाड,उत्तम कुमार पाण्डया, शैलेन्द्र गोधा, महेन्द्र सेठी, अशोक पाण्डया, आलोक जैन, संयोजक मनोज झांझरी,मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के मंत्री नवीन संघी, भाग चंद जैन मित्रपुरा, सुभाष बज, मनीष बैद, राजा बाबू गोधा, मनीष चौधरी,चेतन जैन निमोडिया, प्रकाश गंगवाल सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।। श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के परम संरक्षक एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल एवं उमराव मल संघी ने भी गणाचार्य श्री 108 विराग सागरजी महाराज के समाधि मरण पर विन्यांजलि संदेश प्रेषित किया ।

# अर्हम फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में 64 युनिट एकत्रित हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

अर्हम फाउंडेशन के तत्वावधान में भगवान महावीर ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें 64 युनिट रक्त एकत्रित हुआ। अर्हम फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. संजय बैराठी के जन्म दिवस पर आदिनाथ कालोनी में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान - महादान के संकल्प को साकार करते हुए रक्तदान किया। शिविर में विधायक कालीचरण सराफ,सीएमएचओ रवि शेखावत ,राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन 'लाला', जय जवान कॉलोनी जैन मंदिर के अध्यक्ष अशोक जैन नेता, पूर्व पार्षद आशा काला ,आदिनाथ कॉलोनी अध्यक्षा उमा शर्मा, सुलेखा शाह, मृदुला पाटनी सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। फाउंडेशन की सचिव अंजू बैराठी ने बताया कि यह फाउंडेशन का चतुर्थ रक्तदान शिविर है। फाउंडेशन प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर के साथ-साथ जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क मेडिकल उपकरण उपलब्ध करवाना, पर्यावरण संरक्षण ,वृक्षारोपण परिंडा वितरण जैसी अनेकों सामाजिक परोपकार की गतिविधियों में संलग्न रहता है। शिविर में विशेष सहयोग प्रमोद जैन रिंकी कर्णावत, रमेश जैन, प्रभादेवी निगोतिया का रहा है। इस मौके पर अर्हम फाउंडेशन के अंजू बैराठी, महेन्द्र मित्तल, सम्यक बैराठी, राजेन्द्र जैन ने अतिथियो का तिलक, माल्यार्पण एवं पौधे भेट कर स्वागत व सम्मान किया। अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया।

# 15 वां रंग मल्हार: कलाकारों की कल्पनाएं साकार हुईं एप्रिन पर

उदयपुर. शाबाश इंडिया

टखमण 28 संस्था प्रांगण में रविवार को स्थानीय नवोदित और वरिष्ठ कलाकारों की भागीदारी से 15 वां रंग मल्हार संपन्न हुआ। सचिव संदीप पालीवाल ने बताया कि ख्यात कलाकार डॉ.विद्यासागर उपाध्याय की परिकल्पना से आरंभ हुए रंग मल्हार में इस बार का माध्यम 'एप्रिन' था, जिसे पेंटिंग बनाते समय कलाकार, प्रयोगशाला में कार्य करते वैज्ञानिक और रसोई में काम करते समय गृहिणियां उपयोग करती हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन में टखमण के साथ आकांक्षा कलर्स एवं कपूर ट्रेडर्स का उल्लेखनीय योगदान रहा। इसमें 120 कलाकारों ने अपनी-अपनी शैली में रंग-आकारों से एप्रिन को अलंकृत किया। इस दौरान बसंत कश्यप, सुभाष मेहता, ललित शर्मा, सी.पी.चौधरी, रघुनाथ शर्मा, रामकृष्ण शर्मा, प्रो.श्रीनिवास अय्यर, छोटूलाल, विलास जानवे, मीना बया, धर्मवीर वशिष्ठ, विवेक तांबे, नसीम अहमद, दिनेश उपाध्याय, आकाश चोयल, जयेश सिकलीगर, मकबूल अहमद, मोहम्मद यूनुस आदि की सक्रिय भागीदारी रही। समापन अवसर पर कलाकारों को टखमण अध्यक्ष कलाविद् सुरेश शर्मा एवं प्रकाश कपूर ने प्रमाण पत्र वितरित किए। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**